**JAJ-160103020103050 2** Seat No. _____

# B. A. (Sem. III) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

**November - 2019**

## Hindi : Paper-5

***(Hindi Ka Rashtriy Chetna Sampann Kavya – Jay Birsa)***

***(Elective-1) (Optional)***

***(New Course)***

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

**सूचना :**

(१) सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य हैं ।

(२) दायीं ओर प्रश्न के गुण दर्शाये गये है ।

(३) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

१ खंडकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'जय बिरसा' की समीक्षा कीजिए । १४

**अथवा**

१ 'जय बिरसा' खंडकाव्य के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए । १४

२ '' 'जय बिरसा' खंडकाव्य में व्यक्त लौकिकता एवं अलौकिकता का सुभग समन्वय हुआ है ।'' स्पष्ट कीजिए । १४

**अथवा**

२ 'जय बिरसा' खंडकाव्य के आधार पर 'बिरसा' का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

३ 'जय बिरसा' खंडकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए । १४

**अथवा**

३ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बिरसा मुण्डा का स्थान स्पष्ट कीजिए । १४

४ 'जय बिरसा' खंडकाव्य में व्यक्त आदिवासी आंदोलन पर प्रकाश डालिए । १४

**अथवा**

४ 'जय बिरसा' खंडकाव्य में व्यक्त 'बिरसा' के मातृभूमि–प्रेम पर प्रकाश डालिए । १४

५ टिप्पणियाँ लिखिए : (किन्हीं **दो**) १४

(१) 'जय बिरसा' खंडकाव्य का अंत ।

(२) 'जय बिरसा' की संवादयोजना ।

(३) 'जय बिरसा' में व्यक्त ऐतिहासिकता ।

(४) 'जय बिरसा' खंडकाव्य का उद्देश्य ।